नौकरी छोड़ खोला शुद्धता का स्टार्टअप

डेयरी से 150 घरों तक शुद्ध दूध पहुंचा रहीं हैं विम्मी सक्सेना

आशीष गुप्ता

लखनऊ। कॉलेज में शिक्षिका विम्मी सक्सेना घर पर आने वाले डेयरी उत्पाद में मिलावट से परेशान थीं। इससे उन्हें घर-घर शुद्ध दूध पहुंचाने का आइडिया आया। नौकरी छोड़कर काम करना आसान न था।

पति संदीप का सहयोग मिला तो शुद्धता का स्टार्टअप चल निकला। कंपनी में निदेशक की जिम्मेदारी संभालते हुए विम्मी ने सालाना टर्नओवर एक करोड़ रुपये से अधिक पहुंचा दिया है।

स्टार्टअप योद्धा

विम्मी सक्सेना

अलीगंज निवासी विम्मी बताती हैं कि एमसीए करने के बाद कॉलेज में पढ़ाती थीं। वह स्टार्टअप में भी हाथ आजमाना चाहती थीं। इसके लिए आइडिये की तलाश में थीं।

इस बीच घर पर आने वाले डेयरी प्रोडक्ट की खराब गुणवत्ता ने उन्हें स्टार्टअप खोलने पर मजबूर किया।

वह बताती हैं कि काम करते-करते बाजार की पूरी समझ ले ली। 25 भैंसों के साथ शुरू हुई डेयरी आज 150 भैंसों तक पहुंच चुकी है। पति बाजार की जिम्मेदारियां निभाते हैं तो वह फॉर्म व डेयरी कंपनी की। स्कूल से आने के बाद बेटी समृद्धि भी मदद करती है।

एक हजार परिवारों को शुद्ध दूध उपलब्ध कराना लक्ष्य

विम्मी बताती हैं कि शुरुआती लक्ष्य एक हजार परिवारों को शुद्ध दूध पहुंचाना है। वह शीशे की बोतल में 150 परिवारों तक शुद्ध दूध पहुंचा रही हैं। रोजाना 500 लीटर की खपत है। विम्मी ने बताया कि शुद्ध दूध सिर्फ चार घंटे बाद खराब होना शुरू हो जाता है। इसकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए तय समय में डिलीवरी सबसे अहम है। उन्होंने बोतलबंद दूध की कीमत 80 रुपये प्रति लीटर रखी है।